फार्मा, आटो समेत कई क्षेत्रों में निवेश करेंगी जापानी कंपनियां

चार दिवसीय यात्रा पर जापान पहुंचे वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल, कहा- सरकार 60 हजार करोड़ का निवेश लाने के लिए प्रतिबद्ध

राजीव कुमार • जागरण

टोक्यो: बड़े बाजार के साथ युवा इंजीनियर्स और प्रोफेशनल्स को ध्यान में रखते हुए जापान की दर्जनों कंपनियां भारत में निवेश के लिए दिलचस्पी दिखा रही है। सोमवार को टोक्यो में वाणिज्य व उद्योग मंत्री पीयूष गोयल के साथ फार्मा से लेकर कैपिटल, गुड्स, मशीनरी और आटोमेटिव इंडस्ट्री, केमिकल्स की दर्जनों कंपनियों ने भारत में निवेश को लेकर गहन चर्चा की। भारत सालाना कैपिटल गुड्स व मशीनरी का 60 अरब डालर से अधिक का आयात करता है। जापानी कंपनियों की तरफ से इन सेक्टर में निवेश करने से आयात बिल कम होने के साथ भारत में टेक्नोलाजी का भी ट्रांसफर होगा।

चर्चा के दौरान केंद्रीय मंत्री ने इन कंपनियों को भरोसा दिया कि भारत में निवेश में आने वाली सभी दिक्कतों को सरकार दूर करने के लिए प्रतिबद्ध है। कारोबारी नियमों को और सरल बनाने के लिए सरकार कानून में अगले दो महीनों में संशोधन भी करने जा रही है। हालांकि, गोयल ने कहा कि जैसे सभी देश अपनी कंपनियों के प्रोत्साहन के लिए सेफगार्ड ड्यूटी लगाते हैं, भारत भी वैसा करेगा। स्टील मैन्यूफैक्चरिंग से जुड़ी जापानी कंपनियां भारतीय सेफगार्ड ड्यूटी हटाने की मांग कर रही थी। पीयूष गोयल चार दिवसीय दौरे पर जापान पहुंचे हैं। उनके साथ भारत की करीब 230 कंपनियों का प्रतिनिधिमंडल भी गया है।

गोयल ने कहा कि जापान सरकार ने पिछले साल भारत में अगले दस साल में 60 हजार करोड़ के निवेश की घोषणा की थी। हम उस निवेश को अगले कुछ सालों में भारत लाना चाहते हैं। भारत में मैन्यूफैक्चरिंग करके जापानी कंपनियां दुनिया के 70 लाख करोड़ डालर के बाजार में अपना माल भेज सकती है। पिछले कुछ सालों में भारत ने तीन दर्जन से अधिक देशों के साथ व्यापार समझौता किया है और उन सभी देशों का कुल बाजार 70 लाख करोड़ डालर का है। भारत में काम करने वाली सुजुकी 100 से अधिक देशों को निर्यात करती है। भारत अब वैश्विक बाजार में प्रवेश का द्वार बन गया है। खरीद क्षमता रखने वाली भारत की मध्यम वर्ग की आबादी जापान की कुल जनसंख्या से 4-5 गुना अधिक है। गोयल ने बताया कि जापान और भारत आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआइ) और सेमीकंडक्टर, ऊर्जा सुरक्षा और डाटा सेंटर जैसे सेक्टर में साथ काम कर रहे हैं। वैश्विक स्तर पर इसके गलत इस्तेमाल को रोकने के साथ एआइ का वैश्विक माडल तैयार करने की दिशा में भी दोनों देशों में बातचीत हो रही है।

टोक्यो में सोमवार को जापान बिजनेस फेडरेशन के सदस्यों से वार्ता करते वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल • प्रेट्र

- निवेश में आने वाले सभी दिक्कतों को किया जाएगा दूर
- भारत से 70 लाख करोड़ के बाजार में निर्यात के अवसर

भारत में जापानी बुखार की वैक्सीन बनाएगी मिजी सिका फार्मा

जापान की फार्मा कंपनी मिजी सिका भारत में जापानी बुखार की वैक्सीन बनाने के लिए सीरम इंस्टीट्यूट आफ इंडिया के साथ सहभागिता करने जा रही है। कंपनी सीरम इंस्टीट्यूट को टेक्नोलाजी ट्रांसफर करेगी और फिर उसे विकसित करके सीरम इंस्टीट्यूट वैक्सीन का निर्माण करेगी। इसके अलावा मिजी सिका फार्मा विभिन्न प्रकार की जेनेरिक दवा बनाने के लिए भी भारत में निवेश करने जा रही है। बेंगलुरु में स्थित मिजी सिका की सब्सिडियरी मैड्रिक लिमिटेड कई देशों को जेनेरिक दवा की सप्लाई करती है। कंपनी के सीओओ तोशिआकी नागासातो ने बताया कि अगले साल के अंत तक भारत में जापानी बुखार की वैक्सनी बनने लगेगी। जेनेरिक दवा का उत्पादन बढ़ाने के लिए हम बड़ी मात्रा में भारत में निवेश करने की तैयारी में है। हालांकि, उन्होंने निवेश की मात्रा की जानकारी नहीं दी।

बिजनेस से जुड़ी खबरों और अपडेट के लिए स्कैन करें या विजिट करें jagran.com